लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 444

22 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

अवसंरचना और उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाना

444. श्री गुरमीत सिंह मीत हायेर:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा भारतीय वस्त्र निर्माताओं को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपने ब्रांड बनाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) वैश्विक मानकों और मांग को पूरा करने के लिए सरकार किस प्रकार अवसंरचना और उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने की योजना बना रही है; और

(ग) प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारतीय वस्त्र ब्रांडों के लिए निर्यात प्रोत्साहन प्रदान करने और बाजार पहुंच को सुगम बनाने के लिए क्या रणनीतियां अपनाई गई हैं?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क) और (ग) : सरकार वस्त्र और अपैरल निर्यात को बढ़ावा देने में कार्यरत विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों और व्यापार निकायों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों आदि के आयोजन और उनमें भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

मंत्रालय ने भारतीय वस्त्र मूल्य श्रृंखला की क्षमता को प्रदर्शित करने, वस्त्र एवं फैशन उद्योग में नवीनतम प्रगति/नवाचारों पर प्रकाश डालने तथा वस्त्र क्षेत्र में सोर्सिंग और निवेश के लिए भारत को सबसे पंसदीदा स्थान के रूप में स्थापित करने के लिए वैश्विक मेगा वस्त्र कार्यक्रम अर्थात भारत टेक्स 2025 के आयोजन में निर्यात संवर्धन परिषदों/संघों को सहायता प्रदान की है।

सरकार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए जीरो-रेटेड निर्यात के सिद्धांत को अपनाकर अपैरल/वस्त्र और मेड-अप्स के लिए राज्य एवं केंद्रीय करों एवं शुल्कों में छूट (आरओएससीटीएल) योजना भी लागू कर रही है। इसके अलावा, आरओएससीटीएल योजना के अंतर्गत शामिल न होने वाले वस्त्र उत्पादों को अन्य उत्पादों के साथ निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों एवं करों में छूट (आरओडीटीईपी) के अंतर्गत शामिल किया गया है।

(ख): सरकार भारतीय वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने और इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं/पहलों को क्रियान्वित कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में आधुनिक, एकीकृत, विश्व स्तरीय प्लग एंड प्ले वस्त्र अवसंरचना के निर्माण हेतु पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एमएमएफ फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्रों पर केंद्रित उत्पादन-सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान, नवाचार एवं विकास, संवर्धन और बाजार विकास पर केंद्रित राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग-आधारित, रोजगार-उन्मुख, कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण हेतु समर्थ योजना शामिल है। इसके अतिरिक्त, हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र को राष्ट्रीय हस्तशिल्प/हथकरघा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्यक्ष सहायता प्रदान की जाती है।

***